Publication : www.navodayatimes.com	Subject : AVI Press Confrence in Delhi
Date of Publish : 10th August 2018	Edition : Online

जानिए आखिर क्यों ई-सिगरेट पर बैन से जनता की हेल्थ को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली/टीम डिजिटल। ई-सिगरेट जैसी सामग्री की पैरवी करने वाले संगठन सीएचआरए और एवीआई ने इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन आपूर्ति तंत्र (इंड्स) पर प्रतिबंध नहीं लगाने की अपील करते हुए कहा है कि इससे धूम्रपान करने वाले लाखों लोग सुरक्षित विकल्प से वंचित हो जाएंगे और लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

सावन के महीने में मेंहदी लगा रहीं हैं तो खतरनाक हो सकती है ये लापरवाही

काउंसिल फोर हार्म रिड्यूस्ड आल्टरनेटिव (सीएचआरए) और एसोसिएशन ऑफ वेपर्स इंडिया (एवीआई) ने मांग की है कि सरकार इंड्स और वेपर्स पर प्रतिबंध लगाने के पहले साक्ष्य आधारित अध्ययन करा ले। संगठन ने कहा है कि ई-सिगरेट, तंबाकू सिगरेट की तुलना में कम नुकसानदेह है और निकोटीन की लत से भी छुटकारा दिलाती है। साथ ही कहा गया है कि वेपिंग से आसपास के लोगों को पैसिव स्मोकिंग की तुलना में कम खतरा होता है।

सीएचआरए के निदेशक सम्राट चौधरी ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे देशों में ई-सिगरेट के इस्तेमाल के लिए नियामक अनुमति से सकारात्मक परिणाम आया। हालिया वर्षों में इन देशों में धूम्रपान की दर में गिरावट आई है। एवीआई ने कहा कि दुनिया भर में धूम्रपान संबंधी मौत की मुख्य वजह सिगरेट जलने से पैदा होने वाला जहरीला रसायन और टार है, निकोटीन नहीं।

धतूरा जहर होकर भी किसी अमृत से कम नहीं है, जानिए 7 फायदे

प्रतिबंध लगाने से बढ़ेगी तस्करी

बता दें कि सिगरेट निर्माता कंपनियों के संगठन टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (टीआईआई) ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर प्रतिबंध लगाये जाने से इसकी तस्करी बढ़ने की आशंका व्यक्त की है। संगठन ने एक बयान जारी कर कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर प्रतिबंध से इस तरह के ऐसे उत्पादों की तस्करी को बढ़ावा मिलेगा, जिनका स्रोत और गुणवत्ता मानक अज्ञात होगा। उसने कहा कि इससे भारत को उन देशों की तुलना में संरचनात्मक नुकसान होगा जहां इस श्रेणी के लिए नियंत्रित नियामकीय नीति है।